

**NZ-ISACON 2026 ने एनेस्थीसिया के भविष्य को आकार देने के लिए नॉर्थ ज़ोन के
एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स को एक साथ लाया**

चंडीगढ़, 4 अक्टूबर 2026:

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (PGIMER), चंडीगढ़ के एनेस्थीसिया और इंटेंसिव केयर विभाग ने 1 से 4 अक्टूबर 2026 तक चंडीगढ़ में 22वें नॉर्थ ज़ोन ISA सम्मेलन (NZ ISACON 2026) का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

यह सम्मेलन "Gen X से Gen Z Alpha: एनेस्थीसिया के भविष्य को आकार देना" थीम के तहत आयोजित किया गया था। चार दिनों के इस एकेडमिक प्रोग्राम में 400 से अधिक एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, नर्सिंग अधिकारी, टेक्नीशियन, ट्रेनी, पुलिसकर्मी और अन्य हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स शिक्षा, कौशल विकास, एकेडमिक आदान-प्रदान और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के व्यापक कार्यक्रम के लिए एक साथ आए।

इस सम्मेलन का आयोजन PGIMER, चंडीगढ़ के एनेस्थीसिया और इंटेंसिव केयर विभाग की प्रमुख और आयोजन चेयरपर्सन डॉ. काजल जैन के नेतृत्व में किया गया, जिसमें एनेस्थीसिया और इंटेंसिव केयर विभाग के प्रोफेसर डॉ. जीतेंद्र मक्कर ने आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया।

कार्यक्रम की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 को नर्सिंग अधिकारियों, टेक्नीशियनों और पुलिसकर्मियों के लिए प्री-कॉन्फ्रेंस ट्रेनिंग वर्कशॉप की एक श्रृंखला के साथ हुई, जिसमें इमरजेंसी रिस्पॉन्स, रिसिटेशन (पुनर्जीवन), मरीज की सुरक्षा और फर्स्ट रिस्पॉन्स से संबंधित व्यावहारिक कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इसके बाद चंडीगढ़ के 'द ललित' में दो दिवसीय मुख्य वैज्ञानिक सम्मेलन हुआ, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, पैनल चर्चा, इंटरैक्टिव एकेडमिक सत्र, वैज्ञानिक प्रस्तुतियाँ और एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर में समकालीन और उभरते घटनाक्रमों पर चर्चा शामिल थी। सम्मेलन की मुख्य विशेषताओं में से एक दुनिया भर के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध फैकल्टी के प्रतिष्ठित पैनल की भागीदारी थी। इस कॉन्फ्रेंस ने रिसर्च, एकेडमिक एक्सचेंज और प्रोफेशनल सहयोग के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें पूरे नॉर्थ ज़ोन के हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया। युवा रिसर्चर्स और ट्रेनीज़ को प्रेजेंटेशन और एकेडमिक प्रतियोगिताओं के ज़रिए अपने वैज्ञानिक काम को दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। दो दिन के शेड्यूल में शुरुआती करियर वाले डॉक्टरों के लिए पांच खास मास्टरक्लास भी शामिल थीं।

कॉन्फ्रेंस में ISA के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. नवीन मल्होत्रा का प्रेसिडेंशियल भाषण हुआ, साथ ही प्रतिष्ठित डॉ. जी.एल. कामरा और डॉ. प्रीतम सिंह के भाषण भी हुए। मुख्य भाषण हांगकांग के प्रोफेसर मनोज कुमार करमाकर ने दिया, जो रीजनल एनेस्थीसिया में अपनी बेहतरीन रिसर्च के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं और दुनिया के टॉप 0.5% स्कॉलर्स में शामिल हैं।

चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन की एजुकेशन सेक्रेटरी, IAS सुश्री प्रेरणा पुरी उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चंडीगढ़ की डायरेक्टर प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. रवनीत कौर गेस्ट ऑफ ऑनर थीं। उद्घाटन समारोह में पंजाब मेडिकल काउंसिल (PMC) की प्रतिष्ठित सदस्य डॉ. रूपिंदर बख्शी भी शामिल हुईं; वे मंच पर मौजूद थीं और उन्होंने इस एकेडमिक पहल का समर्थन किया। प्रोग्राम के ऊंचे एकेडमिक स्टैंडर्ड्स को देखते हुए, PMC ने कॉन्फ्रेंस को 16 क्रेडिट घंटे दिए।

आखिरी दिन, 4 अक्टूबर 2026 को, 10 हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का एक बड़ा प्रोग्राम हुआ। ये वर्कशॉप PGIMER और इस इलाके के दूसरे बड़े हेल्थकेयर संस्थानों में आयोजित की गईं, जिनमें गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (सेक्टर 32, चंडीगढ़), AIMS मोहाली और होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (न्यू चंडीगढ़) शामिल थे। इन वर्कशॉप्स में कई तरह के समकालीन विषयों को शामिल किया गया, जैसे: इमीडिएट ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट, पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया, अल्ट्रासाउंड-गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया, ट्रांसथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी और ECMO, मैकेनिकल वेंटिलेशन, रिसर्च मेथोडोलॉजी बूट कैंप, न्यूरोमॉनिटरिंग, एयरवे मैनेजमेंट में उत्कृष्टता, क्रोनिक पेन के लिए मल्टीमॉडल अप्रोच, सिमुलेशन और कम्युनिकेशन स्किल्स।

NZ ISACON 2026 का सफल आयोजन PGIMER, चंडीगढ़ के एनेस्थीसिया और इंटेसिव केयर विभाग की एक और महत्वपूर्ण एकेडमिक पहल है। यह क्लिनिकल केयर, शिक्षा, रिसर्च, इनोवेशन और मरीजों की सुरक्षा में उत्कृष्टता के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को फिर से साबित करता है।
